'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 4th Semester Examination, 2022

CC10-HINDI

हिंदी आलोचना

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 3×4 = 12

(क) भारतेन्दु युगीन किन्हीं तीन आलोचकों के नाम लिखिए।

(ख) द्विवेदी युगीन किन्हीं तीन आलोचकों के नाम लिखिए।

(ग) शुक्लयुगीन किन्हीं तीन आलोचकों के नाम लिखिए।

(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा विरचित नाटक संबंधी विख्यात निबंध का नाम बताते हुए उसका प्रकाशन-वर्ष लिखिए।

(ङ) महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखे गए किन्हीं तीन आलोचनात्मक निबंधों का नाम लिखिए।

(च) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल द्वारा लिखे गये किन्हीं तीन सैद्धान्तिक आलोचनात्मक निबंधों के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 6×4 = 24

(क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के व्यवहारिक आलोचनात्मक निबंधों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(ख) बालकृष्ण भट्ट की आलोचना-पद्धति पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'त्रिवेणी' पुस्तक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(घ) 'आनन्द कादम्बिनी' पत्रिका का हिंदी आलोचना के विकास में क्या योगदान है ? विचार कीजिए।

(ङ) हिंदी आलोचना के विकास में 'सरस्वती' पत्रिका के अवदान पर विचार कीजिए।

(च) 'रसदशा' क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 12×2 = 24

(क) भारतेन्दु युगीन आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए।

(ख) हिंदी आलोचना के विकास में महावीर प्रसाद द्विवेदी के अवदान पर प्रकाश डालिए।

(ग) आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना-दृष्टि की विशेषता बताइए।

(घ) हिंदी आलोचना के विकास में भारतेन्दु हरिश्चंद्र के योगदान पर विचार कीजिए।

——×——